प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
18.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 5:00बजे

मॉनसून सत्र

प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र आज से शिमला में शुरू हो गया है। 14वीं विधानसभा का ये नौवां सत्र है। 2 सितंबर तक चलने वाले मॉनसून सत्र के दौरान कुल 12 बैठकें आयोजित की जाएंगी। यह अब तक का चौथा सबसे बड़ा मानसून सत्र होगा। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने आज मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सत्ता पक्ष व प्रतिपक्ष से सत्र के दौरान सहयोग देने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों दल सदन की परम्परा और मूल्यों को बनाए रखेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन का अधिक से अधिक समय जनहित व प्रदेशहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि सत्र की पहली बार 12 बैठकें रखी गई हैं, ताकि विधायक अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सदन में रख सकें। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि विपक्ष सदन में आपदा प्रबंधन, बेरोज़गारी, आर्थिक संकट और सरकारी संस्थानों के स्थानांतरण जैसे मुद्दों को मज़बूती से उठाएगा।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में मॉनसून की वर्षा का क्रम रूक–रूककर जारी है। प्रदेश के कई भागों में भारी बारिश, बादल फटने, भूस्खलन व बाढ़ से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है और लगातार बारिश के चलते नदी–नाले उफान पर हैं। मंडी जिला में पण्डोह बांध से अतिरिक्त पानी छोडे जाने के कारण ब्यास नदी का जल स्तर बढ़ गया है। शिमला–मंडी मार्ग पर तत्तापानी के पास सड़क का हिस्सा ढहने से वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है और सतलुज नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से इस सड़क को क्षति पहुंची है और इससे सुन्नी–तत्तापानी का मुख्य पुल भी खतरे की जद में आ गया है। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में यमुना नदी उफान पर हैं जिससे एनएच–707 पर आवजाही बाधित हो रही है और कई रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया। जिले में गिरी जटोन डैम से भी अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है। राज्य सरकार ने लोगों से नदी नालों से दूर रहने की सख्त चेतावनी जारी की है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

विक्रमादित्य

लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज शिमला ज़िले के सुन्नी में भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त थली पुल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यहां नए पुल का निर्माण किया जाएगा, ताकि भविष्य में लोगों को आवाजाही में किसी प्रकार की कोई दिक्कत पेश न आए। विक्रमादित्य सिंह ने अधिकारियों को सुन्नी क्षेत्र के तहत घराटनाला से घांघर तक पुल के लिए स्थल चयनित करने और थली पुल के स्ट्रक्चर ऑडिट करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण मंत्री ने सतलुज नदी के पानी से प्रभावित आई.टी.आई. परिसर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि पिछले 2 वर्षों से सुन्नी क्षेत्र में डैम की वजह से खतरा बढ़ गया है। इससे पहले विक्रमादित्य सिंह ने सुन्नी में अस्पताल परिसर में प्रस्तावित क्रिटिक्ल केयर यूनिट का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि क्रिटिकल केयर यूनिट केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन की मदद से बनाया जाना प्रस्तावित है। यहां पर 50 बिस्तर की व्यवस्था होगी।

.....